**Dr. Kumari Priyanka**

**Department of history**

**H.D jain college, ara**

**Notes for ug semester 2**

**Topic :- सुमेर सभ्यता के धार्मिक समाज का वर्णन करें**

**सुमेर सभ्यता** (Sumerian Civilization), जो प्राचीन मेसोपोटामिया (आधुनिक इराक) में विकसित हुई थी, विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक मानी जाती है। यह सभ्यता लगभग **3500 ईसा पूर्व** से विकसित होना शुरू हुई। सुमेर का धार्मिक समाज गहरे आध्यात्मिक विश्वासों, देवताओं की पूजा और धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़ा हुआ था।

## 1. धार्मिक संरचना और विश्वास प्रणाली:

- सुमेरवासियों का धर्म **बहुदेववादी** (Polytheistic) था। वे प्रकृति की शक्तियों और उनके विभिन्न रूपों की पूजा करते थे।
- उनके प्रमुख देवता थे:
  - **अनु (Anu):** आकाश के देवता और सर्वोच्च ईश्वर।
  - **एनलिल (Enlil):** वायु, तूफान और कृषि के देवता।
  - **एनकी (Enki):** जल, ज्ञान और रचनात्मकता के देवता।
  - **इनाना (Inanna):** प्रेम, युद्ध और प्रजनन की देवी।

## 2. धार्मिक संस्थान और ज़िगुरैट्स (Ziggurats):

- हर नगर-राज्य (City-State) का एक मुख्य संरक्षक देवता होता था, जिसके लिए विशाल **ज़िगुरैट** (विशाल मंदिरनुमा संरचना) बनाए जाते थे।
- ज़िगुरैट धार्मिक अनुष्ठानों और समाज के आध्यात्मिक केंद्र थे।
- नागरिकों का विश्वास था कि देवता इन संरचनाओं में निवास करते थे।

## 3. पुरोहित वर्ग (Priestly Class):

- पुरोहित वर्ग समाज में सबसे उच्च दर्जा रखता था।
- ये लोग धार्मिक अनुष्ठान कराते थे और देवताओं के लिए बलिदान, उत्सव आदि का आयोजन करते थे।
- यह वर्ग शिक्षा और ज्ञान का भी केंद्र था, क्योंकि धार्मिक ग्रंथों का पठन-पाठन यही करते थे।

## 4. धार्मिक अनुष्ठान और त्यौहार:

- पूजा-पाठ, बलि, संगीत और नृत्य का आयोजन धार्मिक अनुष्ठानों का प्रमुख हिस्सा था।
- सबसे महत्वपूर्ण त्योहार **अकितु उत्सव** (Akitu Festival) था, जो नववर्ष के अवसर पर मनाया जाता था और इसमें देवताओं की कृपा प्राप्त करने के लिए अनुष्ठान किए जाते थे।

## 5. मृत्यु और परलोक का विश्वास:

- सुमेरवासी मानते थे कि मृत्यु के बाद आत्मा एक अंधेरे और नीरस परलोक में जाती है।
- मृत्यु के बाद के जीवन को वे दुःखद और अनिश्चित मानते थे।

## 6. धार्मिक ग्रंथ और साहित्य:

- सुमेर का धार्मिक साहित्य बहुत समृद्ध था।
- **गिलगमेश महाकाव्य** (Epic of Gilgamesh) सुमेर का सबसे प्रसिद्ध ग्रंथ है, जिसमें अमरता और मानवीय अस्तित्व की खोज का वर्णन मिलता है।

## निष्कर्ष:

सुमेर सभ्यता का धार्मिक समाज न केवल आध्यात्मिक आस्था का केंद्र था, बल्कि राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। यह धर्म, समाज, कला और संस्कृति के विकास में एक महत्वपूर्ण आधारशिला साबित हुआ।